...यह दूसरा। इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए दिए जाएंगे।

मिलें भेज रहीं SMS अलर्ट

पानीपत के गन्ना किसानों को हाईटेक हेल्फ

[असित मनोहर पानीपत]

पानीपत जिले के गन्ना किसानों को हाई टेक राहत मिल रही है। शुगर का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए पानीपत कोऑपरेटिव शुगर मिल ने इस इलाके के किसानों को एसएमएस अलर्ट की सर्विस शुरू की है। इस कदम से किसानों के बीच खेती की अलग-अलग तकनीक के बारे में जागरूकता फैलने की उम्मीद है। इससे किसानों को उपज बढ़ाने में मदद मिलेगी। कोऑपरेटिव के अभियान से शुगर प्रोडक्शन एफिशिएंसी 9.25 फीसदी से बढ़कर 9.5 फीसदी होने की उम्मीद है। गन्ना पेराई की क्षमता 25 लाख क्विंटल से बढ़कर 27 लाख क्विंटल हो जाएगी।

पानीपत की डिप्टी कमिश्नर और पानीपत कोऑपरेटिव शुगर मिल की चेयरपर्सन मोना श्रीनिवास ने बताया, 'एसएमएस अलर्ट सर्विस लॉन्च करने से पहले हमने इस प्रोजेक्ट का एक साल का पायलट प्रोजेक्ट चलाया था। इसमें एयरटेल हमारी प्रोजेक्ट पार्टनर थी।' उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट काफी सफल रहा। इस वजह से जिला प्रशासन ने पूरे पानीपत इलाके में इसे लॉन्च करने का फैसला किया। मोना श्रीनिवास ने बताया, 'इस हाई टेक अभियान तहत हम किसानों को गन्ने की उपज बढ़ाने के लिए खेती की नई तकनीक, ऑर्डर और बाकी चीजों के बारे में एसएमएस अलर्ट भेजते हैं।'

प्रोडक्शन एफिशिएंसी 9.25 फीसदी से बढ़कर 9.5 फीसदी होने की उम्मीद। गन्ना पेराई की क्षमता 25 लाख क्विंटल से बढ़कर 27 लाख क्विंटल हो जाएगी

पानीपत कोऑपरेटिव शुगर मिल के मैनेजिंग डायरेक्टर मनजीत सिंह ने बताया, 'शुरू में हम गन्ने का ऑर्डर रजिस्टर्ड पोस्ट के जरिए भेजते थे। इससे न सिर्फ ज्यादा वक्त लगता था, बल्कि किसानों को भी यह शिकायत रहती थी कि उन्हें यह बाद में मिला। लिहाजा, हमने मोबाइल के जरिए एसएमएस अलर्ट भेजने का फैसला किया। इससे हमारी सूचना की डिलीवरी पक्की हो जाती है।' उनके मुताबिक, इससे गन्ने से जुड़े डिपॉजिट और पेमेंट के लिए किसानों को पेपर वर्क का झंझट नहीं करना पड़ेगा।

पानीपत कोऑपरेटिव शुगर मिल के केन मैनेजर करतार सिंह ने बताया, 'इस पहल का इस्तेमाल हम पानीपत के इलाके में गन्ने की उपज बढ़ाने में कर रहे हैं। हमारे रिसर्च एक्सपर्ट्स बुआई, खाद का छिड़काव और निकौनी से जुड़ी चीजों के लिए अलर्ट भेज रहे हैं। इससे पानीपत इलाके में गन्ने की उपज बढ़ गई है। इस सीजन में कोऑपरेटिव शुगर मिल 27 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई करेंगे, पिछले सीजन में यह आंकड़ा 25 लाख क्विंटल था। शुगर रिकवरी सिद्धांत के बारे में करतार सिंह ने बताया, '9.5 फीसदी रिकवरी का मतलब यह हुआ है कि एक क्विंटल गन्ने में 9.5 किलो शुगर निकलेगा। लिहाजा, इस सीजन में हमें 2.56 लाख किलोग्राम शुगर का उत्पादन होने की उम्मीद है।'

इकनॉमिक टाइम्स
1/2/13